केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 40 रविवार 30 अगस्त 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

रक्षाबंधन कार्यक्रम में दिया राष्ट्रभाव का संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला हर्रैया के तत्वावधान में शनिवार को ब्रह्मदेव इंद्रमती त्रिपाठी महिला डिग्री कॉलेज, थाना खास हर्रैया में रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने भाईचारे, सामाजिक समरसता और राष्ट्रभावना को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कार्यवाह संतोष ने की।

मुख्य वक्ता विनोद ने रक्षाबंधन के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय परंपरा में रक्षा का भाव व्यापक है। यह पर्व हमें जाति, वर्ग और भेदभाव से ऊपर उठकर समाज को एक सूत्र में पिरोने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता और संस्कारयुक्त जीवन ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। जिला कार्यवाह ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई–बहन के स्नेह का पर्व नहीं, बल्कि समाज में परस्पर विश्वास, सहयोग और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने वाला संस्कार पर्व है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को एक–दूसरे के सुख–दु:ख में सहभागी बनकर राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत करने का प्रयास करना चाहिए।

कार्यक्रम में उपस्थित स्वयंसेवकों एवं गणमान्य लोगों ने समाज में प्रेम, सद्भाव तथा सेवा की भावना को बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान भारत की सांस्कृतिक परंपराओं और राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की भूमिका पर भी चर्चा हुई। आयोजन में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

पोषाहार सामग्री से व्यंजन को बनवाकर हुआ रेसिपी प्रतियोगिता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । निदेशालय बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार के आदेश के क्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी के दिशा निर्देश में शनिवार को नेफेड और प्लांट द्वारा दिए जा रहे पोषाहार सामग्री से विविध प्रकार की व्यंजन को बनवाकर रेसिपी प्रतियोगिता कराई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल और ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अपूर्वा सिंह रही। कार्यक्रम के आयोजक देवेंद्र कुमार मिश्रा रहे तथा सीडीपीओ विक्रमजोत बलराम सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया।

इस अवसर पर हर्रैया सीडीपीओ सचिन राय, साऊघाट सीडीपीओ किशन यादव तथा बनकटी सीडीपीओ जितेंद्र कुमार ने मुख्य विकास अधिकारी और ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के साथ विभिन्न परियोजनाओं द्वारा प्रस्तुत रेसिपी काउंटर पर ले जाकर रेसिपी की उपयोगिता और उपलब्धता तथा किस तरीके से बनाई गई, उस पर मुख्य विकास अधिकारी का ध्यान आकर्षित कराया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार के निर्देश में जिले के 15 परियोजनाओं से दो–दो मुख्य सेविकाओं ने और चार–चार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने प्रतिभा किया था। कार्यक्रम में पोषाहार सामग्री से लड्डू, बर्फी, खस्ता मठरी, मीठा दलिया, साजन मिक्स पकौड़ी, इडली मैक्स पुरी, खिचड़ी, बिस्किट, ठोका, मीठा दलिया बनाकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ती ले आई थी। मुख्य विकास अधिकारी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्तियों से विभिन्न रेसिपी को उन्होंने किस तरीके से बनाया उस पर चर्चा की ।

सीडीपीओ बलराम सिंह ने मुख्य विकास अधिकारी के समक्ष रेसिपी प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य यह बताया कि इसके माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकर्ती नवीन पोषाहार के प्रति लाभार्थियों की रुझान को बढ़ा सकती हैं ।

बाढ़ में 579 लोगों की मौत, 2 हजार लोग लापता

नई दिल्ली/ काठमकाण्डू। (आभा)। नेपाल पुलिस के मुताबिक, बाढ़ में 579 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं करीब 2000 लोग लापता या संपर्क से बाहर हैं। इनमें 300 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। वहीं भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, चीन की ओर करीब 400 भारतीय फंसे हैं, लेकिन सभी सुरक्षित हैं। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, लापता लोगों का पता

लगाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राहत एवं बचाव अभियान जारी है।

नेपाल के उत्तरी पहाड़ी इलाकों में बुधवार को जो नजारे सामने आए, उसे देखकर पूरी दुनिया हैरान है। ऐसी तबाही, जिसमें लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। कुछ ही पल में घर, सड़कें, इमारतें पूरा का पूरा गांव बह गया। हादसे के में 500 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। वहीं इस भीषण फ्लैश फ्लड से हुई तबाही का दर्द भारत के भोपाल तक पहुंच गया है। भोपाल के कोलार इलाके की रहने वाली देवकी अधिकारी का पूरा परिवार नेपाल में आई बाढ़ के बाद से लापता है लापता लोगों में एक–दो या तीन नहीं, परद्भिार के पूरे 29 सदस्य शामिल हैं।

उस 29 लोगों के समूह में शामिल किसी भी व्यक्ति का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। परिवार के लोग बेसब्री से उनके बारे में किसी खबर का इंतजार कर रहे हैं। परिजनों का कहना है कि फोन की लाइन कुछ समय तक जुड़ी रही, लेकिन दूसरी तरफ से आवाज आना अचानक बंद हो गया। परिवार ने कई बार उनसे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। परिजनों ने बताया, "इसके बाद उनसे कोई संपर्क नहीं हो सका। कुल 29 लोग वहां गए थे और वे सभी हमारे अपने थे। अब तक हमें उनमें से किसी के बारे में भी कोई जानकारी नहीं मिली है।"

कृष्ण–राधिका खनाल और रामचंद्र–भवति खनाल अधिकारी अपने परिवार के साथ 29 लोगों के एक ग्रुप का हिस्सा थे। यह पूरा परिवार सावन पूर्णिमा के मौके पर नेपाल के गोसाईंकुंडा की तीर्थ यात्रा पर गया था।

घायल महिला सिपाही की मौत, नहीं मिली छुट्टी, पति ने लगाये गंभीर आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 7 दिन पहले सड़क हादसे में घायल महिला सिपाही की शनिवार को मौत हो गई। एक्सीडेंट के बाद उनके सिर पर 4 टांके लगे थे। महिला सिपाही केसरी वर्मा (30) ने इलाज कराने के लिए एसपी ऑफिस में एप्लिकेशन दी थी, लेकिन छुट्टी नहीं मिली थी। केसरी के पति नागेंद्र वर्मा भी पुलिस में सिपाही हैं। पत्नी की मौत के बाद पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर नागेंद्र फूट–फूटकर रोए। कहने लगे– इलाज नहीं होने से केसरी की मौत हुई है। 2 दिन से छुट्टी के लिए एसपी ऑफिस के चक्कर लगा रही थी, लेकिन छुट्टी नहीं मिली। छुट्टी की एप्लिकेशन में सीटी स्कैन की कॉपी भी लगाई थी। सिर में 4 टांके लगे होने की बात भी लिखी थी। फिर भी एसपी ऑफिस में तैनात दीपक मिश्रा और एक अन्य कर्मचारी ने छुट्टी नहीं दी। वहीं, सीओ रुधौली अनिल सिंह ने कहा– महिला सिपाही की शनिवार तड़के अचानक तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक मौत हो चुकी थी। पोस्टमॉर्टम में मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

मूलरूप से प्रतापगढ़ की रहने वाली केसरी वर्मा बस्ती के लालगंज थाने में तैनात थीं। पति नागेंद्र भी लालगंज थाने में ही सिपाही हैं। नागेंद्र ने बताया– केसरी कुछ दिन पहले छुट्टी पर अपने घर प्रतापगढ़ गई थीं। 22 अगस्त को छुट्टी खत्म होने के बाद वह बस्ती लौट रही थीं। उनका भाई उन्हें बाइक से स्टेशन छोड़ने आ रहा था। इसी दौरान रास्ते में हादसा हो गया और केसरी के सिर में गंभीर चोट लग गई।

कार–बाइक भिड़न्त, 3 युवकों की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर हुए भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। चनगहिया गांव के पास कार और बाइक की आमने–सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरे ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया।

मृतकों की पहचान नगर थाना क्षेत्र के घोईसापुर निवासी शहाबुद्दीन (28), नूरआलम (26) और शरीफ (29) के रूप में हुई है। तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर बाढ़ देखने के लिए निकले थे। दोपहर करीब 2रू30 बजे चनगहिया गांव के पास उनकी बाइक सामने से आ रही कार से टकरा गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि शहाबुद्दीन और नूरआलम की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, शरीफ गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय

लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

एक साथ 3 युवकों की मौत की खबर से घोईसापुर गांव में शोक की लहर दौड़ गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। नूर आलम उड़ीसा में रहता था। दो महीने पहले ही वह गांव आया था। उसके पिता इस्तियाक और मां शाहजहां दुबई में रहते हैं। नूर आलम परिवार में सबसे छोटा था। उसका बड़ा भाई सलमान भी पिता के साथ दुबई में रहता है। दोनों बहनों का विवाह हो चुका है।

नूर आलम अपनी बहनों से मिलने गांव आया था। कुछ दिन बाद उसे वापस उड़ीसा जाना था। मोहम्मद शरीफ मुंबई में कढ़ाई का काम करते थे। वह एक माह पहले ही गांव लौटे थे। दो वर्ष पहले उनका निकाह शकीला से हुआ था। परिवार में उनकी मां, भाभी और बड़ा भाई हैं।

शहाबुद्दीन 5 भाइयों में सबसे छोटा था। वह मुंबई में रहकर प्राइवेट नौकरी करता था। शहाबुद्दीन का विवाह तीन वर्ष पहले उम्मतुननिशा से हुआ था। उनका दो वर्ष का बेटा है। परिवार में पांच भाई, मां और पिता हैं। शहाबुद्दीन परिवार में सबसे छोटा था।

ओबीसी समाज को एकजुट कर बसपा को मजबूत करने का आह्वान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बहुजन समाज पार्टी द्वारा सामाजिक भाईचारा एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) संगठन की विधानसभा स्तरीय समीक्षा बैठक कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र के तेनुई मंदिर चौराहे के निकट स्थित एक लॉन एवं मैरिज हाल में आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में ओबीसी समाज के लोगों ने बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

मुख्य अतिथि बसपा के मुख्य मण्डल संयोजक एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट भीम राजभर ने बसपा सरकार के कार्यकाल में ओबीसी समाज के हित में किए गए कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में ओबीसी समाज को एकजुट होकर बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनाने के लिए काम करना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में ओबीसी समाज के लोगों को पार्टी से जोड़ने का आह्वान किया।

बैठक की अध्यक्षता मुख्य मंडल संयोजक रामचेत निराला ने की। उन्होंने ओबीसी समाज के लोगों से बसपा को मजबूत करने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आवाहन किया।

विशिष्ट अतिथि जिला संयोजक के.सी. मौर्य ने ओबीसी समाज को जागरूक करते हुए बसपा द्वारा

-विधानसभा चुनाव तैयारियों में जुटे कार्यकर्ता-भीम राजभर
-बैठक में गूंजा 'जिस झंडे पर हाथी, वही हमारा साथी' का नारा

ओबीसी समाज समेत अन्य वर्गों के हित में किए गए कार्यों की जानकारी दी। कहा कि समाज के लोगों को किसी के बहकावे में आने के बजाय बहुजन समाज पार्टी को मजबूत करने और आगामी चुनाव में पार्टी की सरकार बनाने के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा, "जिस झंडे पर हाथी, वही हमारा साथी और जिस पर हाथी नहीं, वह हमारा साथी नहीं।"

कार्यक्रम का संचालन जिला संयोजक एडवोकेट अनूप कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज पार्टी में ओबीसी समाज को उसके हक और अधिकार के लिए राजनीतिक भागीदारी का अवसर मिलता है, जबकि अन्य पार्टियां ओबीसी समाज को केवल वादों और जुमलों तक सीमित रखती हैं।

बैठक में दयाशंकर गौतम, अनिल कुमार मौर्य , शिव कुमार प्रजापति, राजेंद्र प्रसाद गौतम, कृष्ण प्रसाद मौर्य, गुलाब राव, देशराज, बंधु चौधरी, रामदास यादव, अंकुर चौहान, सर्वेश यादव, महेश राजभर, सोनू राजभर, संतराम राजभर, रामू राजभर, पंकज कुमार यादव, महेश यादव, मेंहिलाल यादव, रमाकांत गौड़, संजय राजभर, सुनील कुमार, सुरेश कुमार, हृदय राम, उदय राज, राम सजीवन, अजय कुमार, बाबूराम भारती, पंकज कन्नौजिया, मनोज कुमार, विमल कुमार, हरीश कुमार, रामानंद, राम बुझारत, राम चरित्र, गोकुल प्रसाद, अमन प्रधान, संजय चौधरी, धर्मराज प्रजापति, शिवम चौहान, उमेश चौधरी, विकास चौधरी, मोहन चौधरी, रमेश यादव समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ओबीसी समाज के लोग मौजूद रहे।

हरीश द्विवेदी के स्वागत समारोह को भव्य बनाने में जुटे कार्यकर्ता, इं. अरविन्द पाल ने किया तैयारियों की समीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं 310 विधानसभा क्षेत्र के प्रबल दावेदार इं. अरविन्द पाल ने शनिवार को बनकटी नगर पंचायत कार्यालय सभागार में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी के 31 अगस्त को बस्ती आगमन पर आयोजित होने वाले भव्य स्वागत समारोह की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में स्वागत कार्यक्रम को सफल और ऐतिहासिक बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

बनकटी नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अरविन्द पाल ने कहा कि राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी के स्वागत समारोह में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। कार्यक्रम पूरी भव्यता और गरिमा के साथ आयोजित हो, इसके लिए कार्यकर्ता आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की तैयारियों में छोटी से छोटी बात को भी गंभीरता से लिया जाए, ताकि स्वागत समारोह में आने वाले कार्यकर्ताओं एवं आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

-भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी के स्वागत को लेकर है विशेष उत्साह- इं. अरविन्द पाल

उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि स्वागत स्थल पर यातायात व्यवस्था, कार्यकर्ताओं के बैठने, स्वागत की तैयारियों, सुरक्षा, पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक के दौरान कार्यक्रम की रूपरेखा पर गहनता से विचार–विमर्श किया गया और जिम्मेदार कार्यकर्ताओं को अलग–अलग दायित्व सौंपे गए।

इंजीनियर अरविन्द पाल ने कहा कि हरीश द्विवेदी को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री जैसे महत्वपूर्ण दायित्व की जिम्मेदारी मिलना पूरे बस्ती जनपद के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि बस्ती की धरती से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्राप्त करना जिले के लिए सम्मान और गौरव का विषय है। हरीश द्विवेदी ने संगठन को मजबूत करने में निरंतर योगदान दिया है और उनके नेतृत्व एवं संगठनात्मक क्षमता का लाभ पार्टी को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि बस्ती जनपद को हरीश द्विवेदी द्वारा जो गौरव प्राप्त हुआ है, उसका बयान शब्दों में करना बहुत ही मुश्किल है। इसलिए उनके स्वागत में जिले के कार्यकर्ताओं और समर्थकों में विशेष उत्साह है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर स्वागत समारोह को भव्य एवं यादगार बनाएं।

बताया गया कि राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी का स्वागत लखनऊ–बस्ती राष्ट्रीय राजमार्ग पर फुटहिया स्थित मारुति एजेन्सी के समीप, कर्मा देवी शैक्षणिक संस्थान गेट के मोड़ के पास किया जाएगा। स्वागत समारोह का समय दोपहर लगभग 1 बजे निर्धारित किया गया है।

बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं ने स्वागत समारोह को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत के साथ जुटने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। तैयारी बैठक में मुख्य रूप से विवेकानन्द शुक्ल, अंकित पाण्डेय, सुग्रीव पाल, अभिमन्यु पाल, अतुल पाल, लल्लन चौधरी, रविचन्द पाण्डेय, दाउद खान, हफीज भाई के साथ ही सभासद, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सपा नेता बब्लू तिवारी ने तेज किया जन सम्पर्क: नागरिकों से सीधा संवाद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रुधौली विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के प्रबल दावेदार बब्लू तिवारी ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अपना जनसम्पर्क अभियान तेज कर दिया है। पिछले कई महीनों से वह क्षेत्र के विभिन्न गांवों, बाजारों और प्रमुख स्थानों का लगातार दौरा कर आम लोगों से संवाद स्थापित कर रहे हैं। जनसंपर्क के दौरान वह ग्रामीणों, युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों और विभिन्न वर्गों के लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को समझने का प्रयास कर रहे हैं। बब्लू तिवारी का कहना है कि उनके लिए राजनीति महज चुनाव लड़ने या सत्ता हासिल करने का माध्यम नहीं है। उनका उद्देश्य जनता के बीच लगातार मौजूद रहकर क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि जनता के सुख–दुख में सहभागी बनना और जरूरत के समय उनके साथ खड़ा रहना ही उनकी राजनीति की मूल भावना है।

उन्होंने कहा कि रुधौली विधानसभा क्षेत्र में विकास की व्यापक संभावनाएं हैं, लेकिन इसके लिए जनप्रतिनिधि और जनता के बीच मजबूत संवाद तथा साझा प्रयास आवश्यक है। उनका लक्ष्य क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाना और विकास

–जनता के सुख–दुख में सहभागी बनना राजनीति का मूल उद्देश्य–बब्लू तिवारी

को गांव–गांव तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि यदि जनता का समर्थन और विश्वास मिला तो रुधौली को विकास की नई दिशा देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा।

जनसंपर्क अभियान के दौरान बब्लू तिवारी विशेष रूप से युवाओं की समस्याओं को लेकर चर्चा करते नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि क्षेत्र के युवाओं में प्रतिभा और क्षमता की कमी नहीं है, आवश्यकता उन्हें रोजगार और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की है। युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना, कौशल विकास को बढ़ावा देना तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी पहल उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

महिलाओं के सशक्तीकरण,छात्र–छात्राओं की शिक्षा और सुरक्षा को लेकर भी बबलू तिवारी ने अपनी योजनाओं पर चर्चा की। उनका कहना है कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बेहतर अवसर मिलना चाहिए। क्षेत्र की बदहाल सड़कों और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर भी उन्होंने चिंता जताई।

बब्लू तिवारी ने कहा कि उनका जनसंपर्क अभियान केवल राजनीतिक गतिविधि नहीं बल्कि जनता से सीधा संवाद स्थापित करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों से मिलने के दौरान उन्हें जो सुझाव और समस्याएं मिल रही हैं, उन्हें गंभीरता से समझा जा रहा है। आने वाले समय में जनसंपर्क अभियान को और व्यापक बनाया जाएगा तथा अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा।

पुण्य तिथि पर याद किये गये मेधा संस्थापक पूर्व आईएएस लक्ष्मीकान्त शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को मेधा संस्थापक पूर्व आईएएस स्वर्गीय लक्ष्मीकान्त शुक्ल को उनके नौवीं पुण्य तिथि पर मेधा पार्टी के केन्द्रीय प्रवक्ता दीन दयाल त्रिपाठी के संयोजन में गांधीकला भवन परिसर में बापू प्रतिमा के निकट याद किया गया। अनेक लोगों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण करते हुये कहा कि लक्ष्मीकान्त ने फीस भरपाई एवं छात्र वृत्ति दिलाने के लिये सर्वोच्च न्यायालय तक संघर्ष करके विजय दिलाया। आज इसका लाभ प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों को मिल रहा है। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

मेधा पार्टी के केन्द्रीय प्रवक्ता दीन दयाल त्रिपाठी ने कहा कि लक्ष्मीकान्त शुक्ला भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार और जनहित के लिए देखे गए सपने आज भी जीवित हैं। उनके अधूरे सपनों को साकार करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कहा कि स्वर्गीय लक्ष्मीकांत शुक्ला ने गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा का अधिकार दिलाने तथा

–लक्ष्मीकान्त शुक्ल के संकल्पों को पूरा करना प्राथमिकता– दीन दयाल त्रिपाठी

शिक्षा व्यवस्था में समानता स्थापित करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनका सपना था कि आर्थिक अभाव किसी भी बच्चे की शिक्षा में बाधा न बने।

कहा कि मेधा पार्टी गरीबों को मुफ्त शिक्षा का अधिकार दिलाने के अभियान को आगे बढ़ा रही है। पार्टी की प्रमुख मांगों में एकल पदों पर आरक्षण व्यवस्था में सुधार, यूजीसी रेग्यूलेशन 2026 को वापस लिये जाने, दशमोत्तर कक्षाओं में सभी जातियों के विद्यार्थियों को आर्थिक आधार पर शुल्क प्रतिपूर्ति एवं छात्रवृत्ति की सुविधा, निजी स्कूलों में 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत मुफ्त दाखिले को सरल बनाना तथा शिक्षा–प्रशिक्षण संस्थानों में समान अवसर सुनिश्चित करना, अनुसूचित जाति, अनसूचित जन जाति के गरीब छात्रों को दशमोत्तर कक्षाओं में निजी शिक्षण, प्रशिक्षण संस्थानों में नि:शुल्क प्रवेश दिये जाने आदि की शामिल है। श्री तिवारी ने कहा कि शिक्षा में समानता और सामाजिक न्याय के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पार्टी लगातार संघर्ष करती रहेगी। गरीब बच्चों को बेहतर शिक्षा और उनके अधिकार दिलाना ही स्वर्गीय लक्ष्मीकांत शुक्ला के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मेधा संस्थापक पूर्व आईएएस स्वर्गीय लक्ष्मीकान्त शुक्ल को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से उमेश पाण्डेय मुन्ना, पं. सुनील भट्ट, सन्तोष शुक्ल, विशाल सिंह, अंकित सिंह, रवि शुक्ल, कार्तिकेय तिवारी, गिरीश चन्द्र गिरी, नागेन्द्र मिश्र, प्रतीक मिश्र, अजय कुमार चौधरी, राहुल त्रिपाठी, जावेद अख्तर, विपुल सिंह, सन्तोष कुमार पाण्डेय, मृत्युजय पाठक, रामरीका पाण्डेय, विजय कुमार पाल, दिनेश कुमार चौधरी, राजू द्विवेदी के साथ ही मेधा के अनेक पदाधिकारी, सदस्य और विभिन्न संगठनों के लोग शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 30 अगस्त 2026 रविवार

सम्पादकीय

सवालों से घिरा एसआइआर और मतदाता

अपने घोषित उद्देश्य के मुताबिक मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर को देश में चुनावों और मतदान की प्रक्रिया को दोषरहित बनाने की कोशिश कहा जा सकता है। मगर इसके साथ ही यह जिम्मेदारी भी अनिवार्य रूप से जुड़ी हुई है कि कोई एक भी वैध मतदाता न छूटे और उसे मतदान का उसका अधिकार हर हाल में मिले। मगर क्या देश के अलग–अलग राज्यों में अब तक हुए एसआइआर में इसके घोषित उद्देश्यों के मुताबिक ही नतीजे सामने आ सके हैं?

विडंबना यह है कि एसआइआर अपने शुरुआती दौर से ही अनेक तरह के सवालों से घिरा रहा है और विपक्षी दल इसमें व्यापक पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप लगाते रहे हैं। खासतौर पर पश्चिम बंगाल और बिहार में एसआइआर के बाद जिस पैमाने पर लोगों के नाम मतदाता सूची से बाहर किए गए, उसे लेकर तमाम सवाल उठे। यह कहा गया कि बड़ी संख्या में लोगों का नाम किसी कथित चूक का हवाला देकर मतदाता सूची से हटा दिया गया और वे वोट देने से वंचित रह गए। पश्चिम बंगाल में इस क्रम में ऐसे करीब सत्ताईस लाख लोगों के नाम बाहर कर दिए गए थे। जब उस पर चौतरफा सवाल उठे, तब निर्वाचन आयोग की ओर से उन्नीस अपीलीय न्यायाधिकरणों का गठन किया गया था।

अब सूचना के अधिकार कानून के तहत मिली एक जानकारी के मुताबिक, एसआइआर के बाद आई 82,782 अपीलों में से न्यायाधिकरण की ओर से इक्यानबे फीसद मतदाताओं के नाम बहाल कर दिए गए हैं। फिलहाल कुल अपीलों में से सिर्फ 2.17 फीसद मामलों पर ही फैसला हुआ है। अगर दावा सही पाए जाने का अनुपात लगभग यही बना रहता है, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितने बड़े पैमाने पर वैध मतदाता अपना वोट डालने से वंचित रह गए। क्या यह उन तमाम मतदाताओं के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन नहीं है, जिनका नाम किसी मामूली त्रुटि का हवाला देकर हटा दिया गया? मतदान के समय मतदाता सूची से नाम हटा देने और चुनाव खत्म होने के बाद वही नाम सही पाए जाने पर सूची में जोड़ देने को कैसे देखा जाएगा?

इससे शायद ही किसी को आपत्ति होगी कि चुनावों में मतदान की पूरी प्रक्रिया बिल्कुल स्वच्छ और शुचितापूर्ण हो। साथ ही किसी भी स्थिति में उसमें न तो अवैध मतदान की कोई गुंजाइश हो और न ही किसी वैध मतदाता को मतदान के उसके अधिकार से वंचित किया जाए। निर्वाचन आयोग ने जब मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की थी, तो इसके पीछे यही दलील दी गई थी। प्रथम दृष्टया यह प्रक्रिया अपने आप में चुनावों को ज्यादा स्वच्छ बनाने की कवायद लगती है, क्योंकि इसके तहत वैसे सभी नामों को मतदाता सूची से हटाए जाने की बात कही गई, जिनकी या तो मौत हो गई या फिर जो किसी वजह से अन्य जगह विस्थापित हो गए हों।

मगर इसके नाम पर बहुत सारे वैध मतदाताओं को भी वोट देने के अधिकार से वंचित कर दिया गया, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? लाखों मतदाताओं के मतदान करने से वंचित रहने के बीच जो चुनाव हुआ, जनप्रतिनिधि चुने गए, सरकार का गठन हुआ, क्या उसका औचित्य कसौटी पर नहीं है? इससे विचित्र क्या होगा कि चुनाव आयोग ने एसआइआर के जरिए मतदाता सूची को स्वच्छ बनाने का दावा किया, लेकिन उसकी पूरी प्रक्रिया ही सवालों के घेरे में आ गई!

हिमालय से छेड़छाड़ के खतरे

तिब्बत से लगे नेपाल के रसुवा और आसपास के क्षेत्रों में आई बाढ़ से बड़े पैमाने पर हुए जान–माल के नुकसान ने सभी को झकझोर दिया है। इस त्रासदी में कई लोगों की जान चली गई, जबकि पांच सौ से ज्यादा लापता हैं, जिनमें सौ से अधिक भारतीय भी शामिल हैं। बाढ़ से कई पुल बह गए और कम से कम एक दर्जन जलविद्युत परियोजनाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। प्रारंभिक अध्ययन रिपोर्टों और उपग्रह से ली गई तस्वीरों के विश्लेषण से पता चला है कि नेपाल–तिब्बत सीमा के पास पहाड़ी से चट्टानों के खिसकने के बाद बाढ़ आई। यानी यह हिमालय की संवेदनशीलता और उसकी पारिस्थितिकीय प्रकृति को समझने तथा विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाने को लेकर एक गंभीर चेतावनी है। बाढ़ की खौफनाक तस्वीरों से यह समझना मुश्किल नहीं है कि जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है, तो मानव सभ्यता उसके आगे बेबस हो जाती है। प्रकृति और मनुष्य का संबंध अत्यंत गहरा एवं परस्पर निर्भरता पर आधारित है और जब इसमें कृत्रिम असंतुलन होता है, तो यह विनाशकारी घटनाओं का कारण बनता है।

खबरों के मुताबिक, सबसे पहले भोटे कोशी नदी में अचानक बाढ़ आई, जिससे तिब्बत की सीमा से लगे नेपाल के रसुवा और धादिंग जिले प्रभावित हुए। पानी और मलबे का बहाव इतना तेज था कि आसपास के धादिंग, नुवाकोट और चितवन जिले भी इसकी चपेट में आ गए। बाढ़ से लापता भारतीयों में से ज्यादातर तिब्बत में कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए जा रहे थे। नेपाल के बाढ़ पूर्वानुमान प्रभाग के मुताबिक, पहाड़ी से चट्टानों एवं मिट्टी के खिसकने से नदी अवरुद्ध हो गई और वहां बनी झील के टूटने से भीषण बाढ़ आई।

यह त्रासदी इस बात का संकेत है कि हिमालयी क्षेत्र पारिस्थितिकीय रूप से कितना संवेदनशील है। प्रकृति हमें जल, वायु, भूमि, वन और जीवन के लिए आवश्यक अनेक संसाधन प्रदान करती है। मगर विकास और आधुनिक जीवन की दौड़ में मनुष्य ने प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखने के बजाय उसका अंधाधुंध दोहन शुरू कर दिया है। जंगलों की कटाई, पहाड़ों का अतिक्रमण, नदियों के मार्गों में हस्तक्षेप और अनियोजित निर्माण जैसे कार्यों का परिणाम बाढ़ जैसी विनाशकारी त्रासदियों के रूप में सामने आ रहा है।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिन नदियों को नेपाल की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा–संभावना की जीवनरेखा माना जाता है, उन्हीं के किनारे बेतरतीब बस्तियां, सड़कें और अन्य ढांचागत संरचनाएं तैयार कर दी गई हैं। विकास आवश्यक है, लेकिन इस क्रम में पहाड़ों की प्रकृति की अनदेखी अंततः जोखिम का विस्तार बन जाती है। जलवायु परिवर्तन ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। मौसम का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कहीं लंबे समय तक सूखा पड़ता है, तो कहीं बहुत कम समय में अत्यधिक वर्षा या बादल फटने की घटनाएं बढ़ रही हैं। साफ है कि पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ बाढ़ जैसी त्रासदी को जन्म देती है। बहरहाल, विदेश मंत्रालय का कहना है कि नेपाल में बाढ़ से प्रभावित भारतीय नागरिकों के बचाव और उन्हें राहत पहुंचाने के लिए वहां की सरकार के साथ लगातार संपर्क एवं समन्वय किया जा रहा है। मगर, इस बाढ़ से नेपाल के साथ लगते बिहार और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी खतरा मंडराने लगा है। केंद्र और राज्य सरकारों को चाहिए कि वहां एहतियाती तौर पर सुरक्षा के माकूल प्रबंध किए जाएं, ताकि किसी तरह के नुकसान से बचा जा सके।

नेपाल की त्रासदी:प्रकृति की चेतावनी, आत्ममंथन का अवसर

-सूर्य प्रकाश शुक्ल-

विनाश की विभीषिका हमें डराने नहीं, जगाने आती है, नेपाल की धरती पर घटित भीषण त्रासदी ने समूची मानवता को भीतर तक झकझोर दिया है। प्रकृति का यह विकराल स्वरूप केवल एक भौगोलिक क्षेत्र की पीड़ा नहीं, बल्कि हम सबके लिए एक गहरी चेतावनी है। जब प्रकृति अपना संतुलन बिगड़ने का संकेत देती है, तब मनुष्य की बनाई हुई सीमाएँ, वैभव, पद, प्रतिष्ठा और अहंकार सब क्षणभर में गौण हो जाते हैं। ऐसी त्रासदियाँ हमें ठहरकर सोचने के लिए विवश करती हैंकृहम कौन हैं? हमारे जीवन का वास्तविक उद्देश्य क्या है? और प्रकृति के साथ हमारा संबंध कैसा होना चाहिए?

भारतीय संस्कृति ने हजारों वर्षों पूर्व ही मनुष्य को प्रकृति के प्रति श्रद्धा और सह–अस्तित्व का संदेश दिया था। हमारे ऋषियों ने नदियों को माता, पर्वतों को देवस्वरूप, वृक्षों को जीवनदाता और पृथ्वी को "माता" कहा। "माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः"कृ अर्थात पृथ्वी हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं। लेकिन आधुनिक जीवन की अंधी दौड़ में कहीं न कहीं मनुष्य ने स्वयं को प्रकृति का स्वामी समझ लिया। विकास आवश्यक है, विज्ञान आवश्यक है, आधुनिकता आवश्यक है, परंतु ऐसा विकास जो प्रकृति के अस्तित्व को ही चुनौती देने लगे, अंततः मानव जीवन के लिए संकट बन सकता है।

शास्त्रों का संदेश– सब कुछ परिवर्तनशील है, भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भगवद्गीता में जीवन का शाश्वत सत्य बताते हुए कहा– "जातस्य हि ध्रुवो मृत्युधुरुवं जन्म मृतस्य च।" अर्थात जिसका जन्म हुआ है उसकी मृत्यु निश्चित है और मृत्यु के बाद पुनर्जन्म भी प्रकृति का नियम है।

इस श्लोक का अर्थ केवल मृत्यु की अनिवार्यता तक सीमित नहीं है। यह हमें जीवन की नश्वरता, विनम्रता और सार्थकता का बोध कराता है। नेपाल की त्रासदी हमें यही स्मरण कराती है कि जीवन का कोई भरोसा नहीं। इसलिए जब तक जीवन है, तब तक द्वेष क्यों? अहंकार क्यों? वैमनस्य क्यों? धन और संपत्ति के लिए इतना संघर्ष क्यों? मनुष्य को चाहिए कि वह अपने जीवन में प्रेम, सेवा, सद्भाव, परोपकार और करुणा को स्थान दे।

पौराणिक कथाएँ भी देती हैं संकट में धैर्य की सीख– हमारे पौराणिक आख्यान संकटों के बीच मनुष्य को धैर्य और धर्म का मार्ग दिखाते हैं। भगवान श्रीराम को राजमहल छोड़कर वन जाना पड़ा। चौदह वर्षों का वनवास, सीता हरण और अनेक संघर्ष उनके जीवन में आए, किंतु उन्होंने मर्यादा और धर्म का मार्ग नहीं छोड़ा।

पांडवों को भी राजपाट से वंचित होकर वनवास और अज्ञातवास का कठिन दौर झेलना पड़ा। लेकिन विपरीत परिस्थितियों ने उनके धैर्य और संकल्प को समाप्त नहीं किया। समुद्र मंथन की कथा तो मानव जीवन का अत्यंत गहरा दर्शन प्रस्तुत करती है। मंथन से अमृत के साथ विष भी निकला। जब विष ने समस्त सृष्टि को संकट में डाल दिया, तब भगवान शिव ने नीलकंठ बनकर उस विष को अपने कंठ में धारण किया।

इस कथा का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है– संकट के समय कोई न कोई शिव बनकर विष को रोकता है, तभी समाज सुरक्षित रहता है। आज नेपाल की पीड़ा के समय मानवता को भी यही भूमिका निभानी है। जो सक्षम हैं, वे सहायता करेंय जो धन दे सकते हैं, वे सहयोग करेंय जो समय दे सकते हैं, वे सेवा करें और जो कुछ भी नहीं कर सकते, वे कम से कम पीड़ितों के प्रति संवेदना रखें। आपदा हमें प्रकृति के साथ संतुलन की सीख देती है। प्रकृति कभी किसी से भेदभाव नहीं करती। उसके सामने राजा और रंक, अमीर और गरीब, शक्तिशाली और कमजोरकृ सभी समान हैं। इसलिए हमें विकास की दिशा पर भी गंभीरता से विचार करना होगा। क्या हमारी इमारतें सुरक्षित हैं? क्या हमारे नगर आपदा के लिए तैयार हैं? क्या विद्यालयों में बच्चों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाता है? क्या हम पहाड़ों, नदियों, जंगलों और पर्यावरण के साथ संतुलित व्यवहार कर रहे हैं?

इन प्रश्नों से बचना नहीं चाहिए।

विद्यालय केवल शिक्षा के केंद्र नहीं, बल्कि आपदा–जागरूक और संवेदनशील नागरिक तैयार करने के केंद्र भी होने चाहिए। बच्चों को भूकंप, बाढ़, आग और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के समय सुरक्षित रहने का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। संकट में ही मानवता की वास्तविक पहचान होती है

सुख के समय साथ खड़े होने वाले तो बहुत मिल जाते हैं, लेकिन संकट के समय किसी का हाथ थामना ही सच्ची मानवता है। नेपाल की त्रासदी हमें यह भी सिखाती है कि मानवता की कोई सीमा नहीं होती। देश की सीमाएँ राजनीतिक हो सकती हैं, लेकिन दुःख और संवेदना की कोई सीमा नहीं होती। आज नेपाल का दर्द हमारा दर्द है। वहाँ की पीड़ा में हमारी संवेदना शामिल होनी चाहिए।

भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र रहा है–

"वसुधैव कुटुम्बकम।"

अर्थात पूरी पृथ्वी ही हमारा परिवार है। यदि संसार को वास्तव में परिवार मान लिया जाए, तो किसी भी कोने में होने वाली त्रासदी केवल "वहाँ" की घटना नहीं रह जाती, बल्कि "हम सब" की पीड़ा बन जाती है। प्रकृति से प्रेम ही भविष्य की सुरक्षा है हमें प्रकृति को जीतने की नहीं, समझने और उसके साथ चलने की आवश्यकता है।

वृक्ष लगाना, जलस्रोतों की रक्षा करना, नदियों को स्वच्छ रखना, पहाड़ों और जंगलों का संरक्षण करना तथा पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार करना केवल सरकारी योजनाएँ नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व होना चाहिए।

हमारे शास्त्रों ने बहुत पहले कहा– "परोपकाराय फलन्ति वृक्षाः, परोपकाराय वहन्ति नद्यः।"

वृक्ष और नदियाँ अपना जीवन दूसरों के कल्याण के लिए समर्पित करती हैं। मनुष्य भी यदि प्रकृति से यही सीख ले ले, तो समाज अधिक सुंदर, सुरक्षित और संवेदनशील बन सकता है। नेपाल की त्रासदी हमें क्या संकल्प देती है? आइए, इस पीड़ा को केवल एक समाचार बनाकर भूल न जाएँ। इसे अपने जीवन का संदेश बनाएँ।

हम संकल्प लें
प्रकृति का सम्मान करेंगे।
पर्यावरण की रक्षा करेंगे।

आपदा के प्रति स्वयं जागरूक होंगे और दूसरों को भी जागरूक करेंगे। संकट में पीड़ित मानवता की सहायता के लिए आगे आएँगे। जाति, धर्म, भाषा और सीमा से ऊपर उठकर मानवता को सर्वोच्च स्थान देंगे। अपने बच्चों को संवेदनशील, साहसी और जिम्मेदार नागरिक बनाएँगे। और अपने जीवन से अहंकार को कम करके सेवा और परोपकार को बढ़ाएँगे। प्रकृति की प्रत्येक बड़ी घटना अपने भीतर कोई न कोई संदेश लेकर आती है। आवश्यकता केवल उसे सुनने की है। नेपाल की त्रासदी हमें भयभीत करने के साथ–साथ यह भी कह रही है– "मनुष्य! अपनी शक्ति पर अहंकार मत कर। प्रकृति का सम्मान कर।

जीवन की नश्वरता को समझ।

और जब तक जीवन है, किसी के दुःख में सहारा बन।" धन, पद, प्रतिष्ठा और संपत्ति सब यहीं रह जाते हैंय साथ जाता है तो केवल कर्म, संवेदना और मानवता का प्रभाव।

आइए, हम ऐसी दुनिया बनाने का प्रयास करें जहाँ विज्ञान के साथ विवेक हो, विकास के साथ पर्यावरण हो, समृद्धि के साथ संवेदना हो और धर्म के साथ मानवता हो।

ईश्वर से प्रार्थना है कि नेपाल की इस भीषण त्रासदी से प्रभावित सभी परिवारों को धैर्य और शक्ति प्रदान करें, दिवंगत आत्माओं को शांति दें तथा घायलों और पीड़ितों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना पूरी करें।

यही सच्ची श्रद्धांजलि है। यही सच्ची मानवता है। और यही इस त्रासदी से मिलने वाली सबसे बड़ी सीख है।

मराठी अस्मिता बोध, आटो रिक्शा और भाषा विवाद

–उमेश चतुर्वेदी–

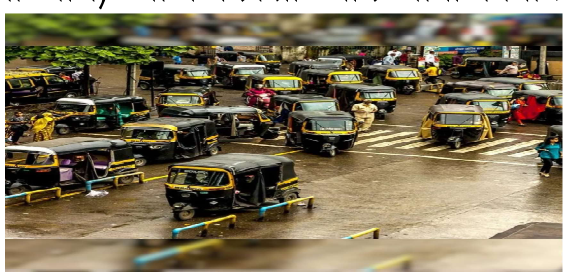

महाराष्ट्र के ऑटो–रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए कामचलाऊ मराठी भाषा जरूरी किए जाने को लेकर विवाद उठना स्वाभाविक है। यह विवाद बांबे हाईकोर्ट भी पहुंच गया है। महाराष्ट्र सरकार ने इस नियम को लागू करते हुए तर्क दिया है कि इससे यात्रियों और टैक्सी–ऑटो चालकों के बीच भरोसा बढ़ेगा और यात्रियों में सुरक्षा का भाव रहेगा। मोटे तौर पर सरकार की यह दलील बेहतर लगती है, लेकिन जब राज्य की टैक्सियों और ऑटो की संख्या और उनके चालकों पर ध्यान देते हैं तो यह सवाल सिर्फ भाषा का नहीं रह जाता, बल्कि उपराष्ट्रीयता के उभार और उसके बहाने राष्ट्रीयता के विचार को चुनौती का भी हो जाता है। इस सोच का सिरा आगे बढ़ते हुए हिंदी विरोध और प्रकारांतर से पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के प्रवासियों की मुखालफत तक जा पहुंचता है।

भारतीय राष्ट्रीयता के समर्थन में 'विविधता में एकता' का पाठ हर भारतीय को स्कूली घुट्टी में मिला है। लेकिन जीवन की कठोर राहों पर उतरते हैं तो पता चलता है कि राष्ट्रीयता की असल धारा जितनी गहरे तक हिंदी हृदय प्रदेशों में बहती है, उतनी गैर हिंदीभाषी प्रदेशों में नजर नहीं आती। दिलचस्प यह है कि राष्ट्रीयता के पुरजोर पोषक इन इलाकों को उपहास में कभी बीमारू कहा जाता था। इस पर गोबरपट्टी और गोबरनाडु का विशेषण खास धारा की वैचारिकी ने जो चस्पा कर रखा है। इस सोच की प्रमुख वजह आर्थिक रूप से इन इलाकों का अपेक्षाकृत उपराष्ट्रीयता वाले इलाकों से पिछड़े रहना है। इसी वजह से रोजी–रोटी की खातिर महाराष्ट्र के टैक्सी और ऑटो चालकों में सबसे बड़ी संख्या भदेस माने वाले बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश आदि के प्रवासी शामिल हैं। जाहिर है कि मराठी का कामचलाऊ ज्ञान रखने के नियम का शिकार यही लोग ज्यादा हुए हैं। इससे इनकी ही रोजी–रोटी पर संकट बढ़ा है।

महाराष्ट्र के ताजा आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक, राज्य में 12 लाख 96 हजार से ज्यादा ऑटो हैं, जबकि करीब पांच लाख टैक्सियां हैं। यहां के परिवहन विभाग के मुताबिक, अकेले ग्रेटर मुंबई इलाके में करीब पांच लाख टैक्सियां और ऑटो रिक्शा चल रहे हैं। इनमें करीब 75 फीसद ऑटो–टैक्सी चालक गैर मराठी और हिंदीभाषी इलाकों के ही हैं। राज्य के दूसरे इलाकों में करीब आधे ऑटो–टैक्सी चालक हिंदीभाषी हैं। महाराष्ट्र ही क्यों, किसी भी राज्य के सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को वहां की स्थानीय भाषा आनी चाहिए। उनके रोजाना का काम स्थानीय भाषा के कामचलाऊ ज्ञान से चल सकता है। बड़ा सवाल यह है कि मराठी के कामचलाऊ ज्ञान का पैमाना क्या हो, महाराष्ट्र सरकार का आदेश इस मसले में स्पष्ट नहीं है। विवाद और परेशानी इस वजह से भी है।

सर्विस सेक्टर और रेहड़ी–पटरी लगाने वाले अक्सर कामकाज करते–करते स्थानीय भाषा सीख लेते हैं। दिल्ली के कनॉट प्लेस में हथकरघा और दस्तगारी का सामान बेचने वाली गुजराती महिलाएं कम शिक्षित हैं। लेकिन वे हिंदी ही नहीं, अंग्रेजी, जर्मन और स्पेनिश भी धाराप्रवाह बोल लेती हैं। तमिलनाडु को लेकर धारणा है कि वहां घोर हिंदी विरोधी माहौल है। लेकिन वहां के प्रमुख पर्यटन स्थल महाबलीपुरम् में भीख मांगने वाले भी बहुभाषी मिल जाते हैं, जो हिंदीभाषी सैलानियों से हिंदी में भीख मांगते हैं। वहां घूम–घूमकर छोटे–मोटे सामान बेचने वाली लड़कियां भी तकरीबन अनपढ़ हैं, लेकिन वे हिंदी, गुजराती, बांग्ला आदि बोल लेती हैं। चाहे कनॉट प्लेस के फुटपाथ पर दस्तगारी का सामान बेचने वाली गुजराती महिलाएं हों या कोलकाता की गलियों में दुकान लगाने वाले बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोग हों, अगर वे अंग्रेजी और बांग्ला आदि बोलते हैं तो इसकी वजह कोई स्कूली शिक्षा नहीं, बल्कि रोजाना का संपर्क और जरूरत है। ऐसा नहीं कि महाराष्ट्र के ऑटो–टैक्सी चालक मराठी का कामचलाऊ ज्ञान या समझ नहीं रखते। यहां ध्यान रखने की बात है कि अपनी माटी से दूर जब कोई ऑटो या टैक्सी चलाने का काम चुनता है तो वह तत्काल सड़क पर नहीं उतरता। वह पहले सड़कों को पहचानता है, उनकी भाषा को समझने की कोशिश करता है।

भाषा विज्ञान की नजर से देखें तो मराठी, गुजराती और राजस्थानी ऐसी भाषाएं नहीं है, जिन्हें आम हिंदीभाषी समझ नहीं सकता। ठीक इसी तरह इन भाषा–भाषियों के लिए हिंदी भी ऐसी भाषा नहीं है, जिसे वे न समझ सकें। भाषा को लेकर जब भी कोई विवाद उठता है, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन का एक इंटरव्यू याद आता है। जिसमें उन्होंने अपनी दादी की चारधाम यात्रा का जिक्र किया था। उनकी दादी ने शायद पिछली सदी के दूसरे दशक में तमिलनाडुके पालघाट इलाके के अपने गांव से चारधाम की यात्रा की थी और महीनों बाद सकुशल वापस लौट आई थीं। शेषन ने कहा था कि उनकी दादी तमिल के अलावा कोई अन्य भाषा नहीं जानती थीं, लेकिन उन्हें चारधाम यात्रा से दिक्कत नहीं हुई। सिर्फ शेषन ही नहीं, सदियों से लोग भारत के एक कोने से लेकर दूसरे कोने तक तीर्थ यात्राएं करते रहे हैं। आज तो तकनीक का विस्तार हो गया है, संचार क्रांति हो चुकी है। जब ये सहूलियतें नहीं थीं, तब क्या तीर्थ यात्राएं रूकीं। तब क्या भाषाएं बाधा बनीं। ऐसे में सवाल यह है कि फिर आज भाषा कैसे चुनौती बन सकती है।

कम ही लोग स्वीकार करेंगे, लेकिन राज्यों के पुनर्गठन के लिए बनाए गए फजलुर्रहमान आयोग की रिपोर्ट ही भाषायी उपराष्ट्रीयता को बढ़ावा देने वाली रही। आयोग ने भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की सिफारिश की थी। इसी के नजीतन भारतीय उपराष्ट्रीयताओं को अपनी भाषाओं के बहाने अपना वर्चस्व साबित करने का आधार मिल गया। इसी वजह से आए दिन राज्यों में अपनी भाषाओं को लेकर अस्मिताबोध जागता रहता है। इस बोध के निशाने पर अक्सर हिंदीभाषी ही रहते हैं। महाराष्ट्र सरकार में शामिल एकनाथ शिंदे की शिवसेना के मूल में भी मराठी उपराष्ट्रीयता और अस्मिताबोध रहा है। इस अस्मिताबोध को शिवसेना संस्थापक बाला साहब ठाकरे ने पहली अभिव्यक्ति 1960 के दशक में मुंबई में मलयाली भाषा–भाषियों के खिलाफ आंदोलन के जरिए दी और बाद के दिनों में उनके भतीजे राज ठाकरे तो इस अस्मिताबोध के दबंग पैरोकार बनकर उभरे। केंद्र सरकार और बैंकों आदि की नौकरियों के लिए परीक्षा देने मुंबई–नासिक आदि पहुंचे हिंदीभाषी छात्रों को बाकायदा पीटकर इस भाषा बोध को राज ठाकरे के कथित सैनिक दिखाते रहे। वे भूल गए कि बंग–भंग के खिलाफ आंदोलन के दौरान 1905 में मराठी मानुष के पूज्य पुरूष बाल गंगाधर तिलक ने वाराणसी की यात्रा की थी। इस दौरान 'काशी नागरी प्रचारिणी सभा' में दिए एक व्याख्यान में उन्होंने पुरजोर तरीके से 'हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा ' घोषित किया था। मराठी अस्मिताबोध के शोर में तिलक की यह आवाज अक्सर खोती रही है। एक खतरा यह भी है कि मराठी के कामचलाऊ ज्ञान की शर्त राज्य के दूसरे धंधे में काम कर रहे लोगों पर भी बाद में लागू हो सकती है। चूंकि उपराष्ट्रीयता वाले इलाकों में अपनी भाषा और संस्कृति का मसला लोगों के मर्म को छूता है, इसलिए राजनीति अक्सर इसे उभारने की कोशिश करती है। मौका देखकर आने वाले दिनों में राज्य में कार्यरत निर्माण मजदूरों आदि पर भी यह शर्त थोपी जा सकती है। इससे निश्चित तौर पर प्रवासी हिंदीभाषियों के लिए संकट पैदा होगा।

भागवत की न्यूयार्क यात्रा

–अशोक भाटिया–

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत की न्यूयॉर्क यात्रा समकालीन वैश्विक परिदृश्य, भारत–अमेरिका संबंधों के रणनीतिक भविष्य और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक कूटनीति की बदलती दिशा के दृष्टिकोण से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटनाक्रम है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित इस वैश्विक संपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य केवल प्रवासी भारतीयों से संवाद करना मात्र नहीं है, बल्कि यह उभरती हुई वैश्विक व्यवस्था में भारत की वैचारिक, दार्शनिक और आर्थिक ताकत को एक साथ रेखांकित करने का एक सुनियोजित प्रयास है। अगस्त 2026 में हो रही इस उच्च–स्तरीय यात्रा के बहुआयामी प्रभाव हैं, जो पारंपरिक कूटनीति के दायरों से बहुत आगे निकल जाते हैं। इस दौरे के प्रभाव को मुख्य रूप से तीन बड़े स्तंभों के माध्यम से समझा जा सकता है, जिसमें पहला अमेरिकी कॉर्पोरेट जगत के दिग्गजों और उद्यम पूंजीपतियों के साथ भविष्य की तकनीकों पर हुआ गंभीर आर्थिक विमर्श है, दूसरा वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में भारतीय प्रवासियों का ऐतिहासिक सांस्कृतिक समागम है, और तीसरा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस यात्रा को लेकर पैदा हुए वैचारिक अंतर्विरोध और तीखे राजनीतिक विरोध प्रदर्शन हैं। इन सभी पहलुओं का एक साथ मिलकर विश्लेषण यह स्पष्ट करता है कि आधुनिक भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने वाला यह संगठन अब वैश्विक स्तर पर देश की छवि, नीतियों और अंतरराष्ट्रीय विमर्श को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार अपनी रणनीतियों का विस्तार कर रहा है।

इस पूरी यात्रा का सबसे पहला और आर्थिक रूप से अत्यंत व्यावहारिक पड़ाव न्यूयॉर्क में वैश्विक कॉर्पोरेट जगत के शीर्ष अधिकारियों, नीति–निर्माताओं और उद्यम पूंजीपतियों के साथ आयोजित एक विशेष गोलमेज बैठक थी । इस संवाद के दौरान पारंपरिक द्विपक्षीय व्यापार के स्थापित ढांचों से आगे बढ़कर पूरी तरह से भविष्य की उन्नत प्रौद्योगिकियों यानी डीप–टेक पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस उच्च–स्तरीय बैठक में दूरसंचार क्षेत्र के आधुनिकीकरण, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में निजी निवेश की संभावनाओं, स्वच्छ ऊर्जा के वैश्विक लक्ष्यों और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक विधाओं में भारत–अमेरिका के बीच सहयोग पर गहराई से विमर्श हुआ। डॉ. मोहन भागवत ने वैश्विक निवेशकों के सामने भारत को एक विश्वसनीय, लोकतांत्रिक, कानून सम्मत और विकासोन्मुख वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में मजबूती से प्रस्तुत किया। इस चर्चा के दौरान अमेरिकी निवेशकों ने भारत के विशाल बाजार और उसकी बढ़ती आर्थिक क्षमता की सराहना तो की, लेकिन साथ ही उन्होंने राज्य स्तर पर आने वाली प्रशासनिक और विनियामक बाधाओं पर अपनी व्यावहारिक चिंताएं भी साझा कीं। निवेशकों का मुख्य तर्क यह था कि यदि भारत को चीन के एक मजबूत और सुरक्षित विकल्प के रूप में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के केंद्र में आना है, तो भूमि अधिग्रहण, जटिल कर संरचनाओं और स्थानीय स्तर पर फैक्ट्रियां स्थापित करने से जुड़ी प्रक्रियाओं को और अधिक सरल व पारदर्शी बनाना होगा, ताकि प्रशासनिक देरी के बिना निवेश धरातल पर उतर सके। इसी बैठक में सिलिकॉन वैली की जानी–मानी निवेश भागीदार आशा जडेजा मोटवानी जैसी हस्तियों ने भागवत के इस विचार का पुरजोर समर्थन किया कि भारत की युवा जनसांख्यिकी आज दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है, और भारतीय युवा न केवल अपने देश के विकास के इंजन हैं बल्कि वे पूरी दुनिया में सकारात्मक और तकनीकी बदलावों के सबसे बड़े संवाहक बनकर उभर रहे हैं ।

श्रद्धा–उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ भगवान झूलेलाल साईं जी का चालीहा महोत्सव

-शोभा यात्रा में उमड़ी आस्थाः भजन संध्या के साथ 18 ने किया रक्तदान - भगवान झूलेलाल साईं प्रतिमा का विधि-विधान से विसर्जन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भगवान झूलेलाल साईं जी के प्रति आस्था, श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत चालीहा महोत्सव का आयोजन धूमधाम और उत्साह के साथ किया गया। 18 जुलाई से शुरू हुआ यह धार्मिक आयोजन 27 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रमों के साथ चला। महोत्सव के दौरान धार्मिक आयोजनों के साथ सामाजिक एवं सेवा कार्यों को भी विशेष स्थान दिया गया, जिसमें समाज के लोगों ने बढ़–चढ़कर सहभागिता की।

महोत्सव के अंतर्गत बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों को धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने के साथ–साथ उनमें रचनात्मकता और सहभागिता की भावना विकसित करना रहा। बच्चों की प्रस्तुतियों और प्रतियोगिताओं ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण पैदा किया।

इसके बाद साईं रविदास द्वारा भव्य भजन कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। भजन संध्या में श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आए। धार्मिक भजनों और भक्तिमय वातावरण ने पूरे आयोजन को आध्यात्मिक रंग प्रदान किया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में सहभागिता कर भगवान झूलेलाल साईं जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। महोत्सव के अंतिम दिन रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सामाजिक सेवा की भावना से आयोजित इस शिविर में समाज के 18 लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। आयोजकों ने रक्तदान को मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। धार्मिक आयोजन के साथ सेवा कार्य को जोड़कर समाज को मानवता और परोपकार का संदेश दिया गया।

चालीहा महोत्सव का समापन 27 अगस्त को आरती–पूजन के साथ हुआ। इसके बाद भगवान झूलेलाल साईं जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा थाना पुरानी बस्ती, मंगल बाजार, दक्षिण दरवाजा, रोडवेज एवं गांधी नगर होते हुए अमहट घाट पहुंची। शोभायात्रा में धार्मिक आस्था और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला।

शोभायात्रा में ऊंट, हाथी, डीजे और बग्घी विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। भगवान झूलेलाल साईं जी की भव्य प्रतिमा श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। इस दौरान सिंधी समाज के 300 से अधिक महिला, पुरुष, बुजुर्ग एवं बच्चों ने श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ शोभायात्रा में हिस्सा लिया। जगह–जगह श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया और भगवान झूलेलाल साईं जी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

आयोजकों ने बताया कि मेले और शोभायात्रा के सफल संचालन में प्रशासनिक सहयोग अत्यंत सराहनीय रहा। प्रशासन एवं पुलिस की व्यवस्था के कारण कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से सम्पन्न हुआ। अमहट घाट पहुंचने के बाद भगवान झूलेलाल साईं जी की प्रतिमा का विधि–विधान से विसर्जन किया गया। विसर्जन के पश्चात बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आयोजित विशाल भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

महोत्सव के दौरान धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकजुटता और सेवा भावना का भी संदेश दिया गया। बच्चों की प्रतियोगिताओं से लेकर भजन संध्या, रक्तदान शिविर, शोभायात्रा और भंडारे तक प्रत्येक आयोजन में समाज की सक्रिय भागीदारी रही। आयोजकों ने सहयोग करने वाले सभी श्रद्धालुओं, प्रशासनिक अधिकारियों तथा समाज के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप पुरुषोत्तम फतवानी (मुखिया), भगवान दास पहुजानी (उपमुखिया), जीतू वाधवानी, विमल सावधानी, पंकज फतवानी, गुरुदास वाधवानी, सुरेश (कचहरी), अनिल कालानी, कुमार खियलानी, मनोहर लाल, अनिल खियलानी, सुरेश 'सोनू' लखमानी, दीपक 'दीपू' आहूजा, कालू विशनानी, नितिन वालैचा, शिखर सावलाानी, हितेश विशनानी, बृजेश आनंद, संदीप लखमानी, अजय लखमानी, अनु चिरवानी, सरिता फतवानी, रेनू वाधवानी एवं माला सावधानी के साथ ही सिन्धी समाज और समाज के विभिन्न वर्गो के लोग, जन प्रतिनिधि शामिल रहे।

पीडीए पंचायतों से सपा को मिली नई मजबूती –गीता भारती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी पार्टी महिला सभा जिलाध्यक्ष गीता भारती ने कहा कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल द्वारा महादेवा विधानसभा क्षेत्र के गायघाट सहित जनपद के विभिन्न स्थानों पर आयोजित की जा रही पीडीए पंचायतों से समाजवादी पार्टी को और मजबूती मिली है। इन पंचायतों के माध्यम से पार्टी की नीतियों, विचारधारा और सामाजिक न्याय के संदेश को गांव–गांव तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। कहा कि प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने स्पष्ट संदेश दिया है कि सपा की सरकार बनने पर महिलाओं के खाते में 40 हजार रूपये भेजे जायेंगे। इससे महिलाओं में सपा के नीति, कार्यक्रम को लेकर विशेष उत्साह है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से सपा महिला जिलाध्यक्ष गीता भारती ने कहा कि पीडीए पंचायतों में समाज के पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और वंचित वर्गों के साथ महिलाओं एवं युवाओं से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के नेतृत्व में आयोजित पंचायतों में बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता यह दर्शाती है कि जनता समाजवादी पार्टी की नीतियों के प्रति विश्वास जता रही है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा सामाजिक न्याय, समान अवसर और सभी वर्गों के सम्मान की राजनीति करती रही है। पीडीए की अवधारणा के माध्यम से समाज के उन वर्गों को राजनीतिक और सामाजिक रूप से मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है, जो लंबे समय से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहे हैं।

महिला जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर महिलाओं के हित में महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि सरकार बनने पर महिलाओं के खाते में 40 हजार रुपये भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

गीता भारती ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, महिलाओं की सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता जैसे मुद्दे आज आम परिवारों से सीधे जुड़े हुए हैं। समाजवादी पार्टी इन मुद्दों को लेकर लगातार जनता के बीच जा रही है। उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे पार्टी की नीतियों और प्रस्तावित योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक महिलाओं तक पहुंचाएं।

उन्होंने कहा कि आगामी समय में पीडीए पंचायतों और जनसंपर्क अभियानों को और व्यापक रूप दिया जाएगा। गांवों और कस्बों में लोगों से संवाद कर उनकी समस्याओं को समझने तथा उन्हें पार्टी के मंच पर उठाने का काम किया जाएगा।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और जनता के बीच सक्रियता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग और कार्यकर्ताओं की मेहनत से समाजवादी पार्टी को आगामी चुनाव में मजबूती मिलेगी।

कजरी महोत्सव में लोक संस्कृति, परम्परा और सामाजिक समरसता का संगम

–कजरी हमारी लोक संस्कृति की अमूल्य धरोहर – अजय सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोक संस्कृति, परंपराओं और क्षेत्र की गौरवशाली विरासत को संरक्षित करने के उद्देश्य से हर्रैया विधानसभा क्षेत्र के लजघटा स्थित विधायक अजय सिंह के निज आवास पर भव्य कजरी महोत्सव एवं रक्षाबंधन समारोह का आयोजन गुरुवार किया गया। विधायक द्वारा लगातार दस वर्षों से आयोजित की जा रही कजरी महोत्सव की परंपरा को इस वर्ष भी उत्साह और उल्लास के साथ आगे बढ़ाया गया।

समारोह में हर्रैया क्षेत्र के हजारों नागरिकों, माताओं–बहनों, वरिष्ठजनों एवं गणमान्य लोगों ने पहुंचकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। कजरी के पारंपरिक लोकगीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह में लोक संस्कृति की मनोहारी छटा बिखेरी। पावन रक्षाबंधन के अवसर पर भाई–बहन के स्नेह के साथ महिला सम्मान, भाईचारे और सामाजिक समरसता की भावना भी देखने को मिली। बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों की मौजूदगी से कार्यक्रम स्थल पर पूरे दिन उत्सव जैसा माहौल बना रहा। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि कजरी महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि हर्रैया की मिट्टी, लोक परंपराओं और गौरवशाली विरासत से जुड़ने का उत्सव है। कजरी हमारी लोक संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जिसे संरक्षित करना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश की लोक संस्कृति, परंपराओं और विरासत को संरक्षण एवं सम्मान देने का कार्य निरंतर आगे बढ़ रहा है।

हर्रैया में आयोजित होने वाला कजरी महोत्सव भी अपनी जड़ों और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ाव का प्रतीक है।विधायक ने कार्यक्रम में उपस्थित माताओं–बहनों, वरिष्ठजनों, जनप्रतिनिधियों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समस्त हर्रैया परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्रवासियों का स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद ही इस सांस्कृतिक परंपरा की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में कजरी महोत्सव को और भव्य एवं व्यापक स्वरूप दिया जाएगा, ताकि हर्रैया की लोक संस्कृति और गौरवशाली विरासत को देश–दुनिया तक पहुंचाया जा सके।समारोह में देर तक लोकगीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का दौर चलता रहा। पूरा आयोजन लोक संस्कृति, परंपरा, भाईचारे, महिला सम्मान और सामाजिक समरसता के रंग में सराबोर नजर आया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. शिरीन सिद्दीकी, आशा देवी, डॉ. सुनीता सिंह, ब्रह्माकुमारी, प्रतिमा, क्षमा सोनी, ब्लॉक प्रमुख विक्रमजोत कृष्ण कुमार सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि परसरामपुर श्रीश पाण्डेय, पूर्व जिला पंचायत सदस्य महेंद्र सिंह, राम प्रगट सिंह, राम मणि मिश्र, पूर्व मंडल अध्यक्ष मनीष सिंह लक्की, विनोद गुप्ता, लवकुश वर्मा, पंकज मिश्रा प्रधान, अनादि मिश्रा, मनोज सिंह, सुरेश सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, गणमान्यजन एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर खलीलाबाद में गूंजी राष्ट्रएकता की गाथा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

खलीलाबाद, संतकबीरनगर। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के प्रायोजन में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह के उपलक्ष्य में कृष्णा पैलेस, खलीलाबाद में पारंपरिक लोकनृत्य एवं संगीतमयी नृत्य नाटिका का भव्य आयोजन किया गया। रंग, राग और लोक संस्कृति से सजे इस कार्यक्रम में कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। प्रस्तुतियों के माध्यम से लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के व्यक्तित्व, राष्ट्रप्रेम और देश की एकता–अखंडता के संदेश को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खलीलाबाद विधायक अंकुर राज तिवारी रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी ने समारोह की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम का आयोजन जनता ग्रामीण सेवा संस्थान के तत्वावधान में किया गया। संस्थान के अध्यक्ष देवी प्रसाद त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

अपने संबोधन में विधायक अंकुर राज तिवारी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन और राष्ट्रनिर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति, अदम्य साहस और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण के प्रतीक थे। देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को सरदार पटेल के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र की एकता, सामाजिक समरसता और भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए।

सीडीओ जयकेश त्रिपाठी ने भी सरदार पटेल के विचारों और उनके आदर्शों को वर्तमान समय में प्रासंगिक बताते हुए राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में प्रस्तुत पारंपरिक लोकनृत्य एवं संगीतमयी नृत्य नाटिका आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। कलाकारों ने अपनी शानदार कला के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता, लोक परंपराओं और राष्ट्रप्रेम की भावना को मंच पर जीवंत कर दिया। दर्शकों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों का तालियों की गड़गड़ाहट से उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावशाली संचालन डॉ. अमरनाथ पाण्डेय ने किया।

समारोह में डॉ सुधांशु मिश्र, सुदर्शन प्रसाद त्रिपाठी , गिरिवर पटेल रिटायर्ड तहसीलदार, संत चौधरी, समाजसेवी महेश शुक्ला, सभासद प्रतिनिधि पंकज मिश्रा, विनय मिश्रा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं कला प्रेमी उपस्थित रहे।

आयोजक देवी प्रसाद त्रिपाठी ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय लोक संस्कृति और राष्ट्र के महान नायकों की गौरवगाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए ऐसे आयोजन बेहद महत्वपूर्ण हैं। समारोह ने जहां दर्शकों को लोक संस्कृति की समृद्ध विरासत से रूबरू कराया, वहीं सरदार पटेल के जीवन से राष्ट्र की एकता, अखंडता और समर्पण का सशक्त संदेश भी दिया।

जयन्ती पर याद किये गये फिराक गोरखपुरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। कबीर साहित्य सेवा संस्थान अध्यक्ष सामईन फारूकी संयोजन में कलेक्ट्रेट परिसर में उर्दू साहित्य में पहली बार ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त करने वाले फिराक गोरखपुरी को उनकी जयन्ती पर गोष्ठी का आयोजन कर याद किया गया।

मुख्य अतिथि डा. वी.के. वर्मा ने फिराक गोरखपुरी के जीवन वृत्त और साहित्य पर प्रकाश डालते हुये कहा कि 28 अगस्त 1896 को गोरखपुर में पैदा हुए फिराक गोरखपुरी का पूरा नाम रघुपति सहाय था, लेकिन आप फिराक गोरखपुरी के नाम से ही मशहूर हुए। अपने परिश्रम और योग्यता के चलते फिराक गोरखपुरी का चुनाव पीसीएस. और आईसीएस इंडियन सिविल सर्विस के लिए हुआ था लेकिन इसी दौरान महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन के समर्थन में उन्होंने इस्तीफा दे दिया जिसके परिणाम स्वरूप उन्हें जेल भी जाना पड़ा। उनकी शायरी आज भी लोगों की जुबान पर है। 'एक मुद्दत से तेरी याद भी आई न हमें, और हम भूल गए हों तुम्हें ऐसा भी नहीं'।

गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुये पं. चन्द्रबली मिश्र ने कहा कि फिराक गोरखपुरी की शायरी में वर्तमान भारत के गुलामी की पीड़ा के बीच विद्रोह और आजाद स्वर स्पष्ट रूप से मुखरित हुआ। डा. वाहिद अली सिद्दीकी ने कहा 'बहुत पहले से आहट उनकी हम पहचान लेते हैं. तुझे ए जिंदगी हम दूर से पहचान लेते हैं'' जैसी शायरी आज तक लोगों की जुबान पर है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से लालजी पाण्डेय, रामलखन पाण्डेय, अमरपाल सिंह, दीपक सिंह प्रेमी, ताहिर अली, विकास चौधरी, नीरज कुमार वर्मा, अनुराग श्रीवास्तव, आकाश श्रीवास्तव, दीनानाथ यादव, राहुल चौहान, दीन बंधु उपाध्याय आदि शामिल रहे। आभार ज्ञापन सामईन फारूकी ने किया।

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी बर्डपुर, सिद्धार्थनगर

पत्राकः बी०आर०सी० / 347–48 / 2026–27   दिनांक 27.08.2026

प्रेस विज्ञप्ति

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सिद्धार्थनगर के पत्रांकः समग्र शि० / निर्माण / 5993–97 / 2026–27 दिनांक 25 अगस्त, 2026 के निर्देश के क्रम में विकास खण्ड बर्डपुर के अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों में स्थित जर्जर एवं ध्वस्तीकरण योग्य भवनों की नीलामी की कार्यवाही कराये जाने हेतु यह सार्वजनिक सूचना जारी की जाती है। जनपद में चिन्हित जर्जर भवनों का नियमानुसार सत्यापन एवं मूल्यांकन गठित समिति द्वारा कराया गया तथा विकास खण्ड बर्डपुर के सम्बन्धित विद्यालय भवनों को ध्वस्तीकरण हेतु चिन्हित किया गया जो निम्न है–

क्र०स०	विद्यालय का नाम	ध्वस्तीकरण हेतु भवन का प्रकार	नीलामी हेतु आरक्षित धनराशि
1	प्रा०वि० खोल्हा झुंगा	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	25140.00
2	पू०मा०वि० भरवलिया	मूल भवन	54735.00
		किचन	8549.00
		स्टोर रूम	9465.00
3	प्रा०वि० बनकटवा	मूल भवन	44097.00
4	प्रा०वि० भुजौली	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	64136.00
		किचन	4028.00
5	प्रा०वि० महदेड्या	अतिरिक्त कक्षा–कक्ष	18596.00

शासनादेश संख्या 855 / 68–5–2020, बेसिक शिक्षा अनुभाग–5 लखनऊ, दिनांक 03 सितम्बर 2020 में निहित प्राविधानों के अनुसार ध्वस्तीकरण हेतु स्वीकृत भवनों की नीलामी की प्रक्रिया विकास खण्ड स्तर पर गठित समिति के माध्यम से सम्पन्न कराई जाएगी।

अतः इच्छुक पंजीकृत कबाड़ / निर्माण सामग्री क्रेता एवं अन्य पात्र बोली दाता निर्धारित तिथि दिनांक 08 सितम्बर, 2026 को अपराह्न 01:30 बजे ब्लाक संसाधन केन्द्र बर्डपुर पर उपस्थित होकर उपरोक्त आरक्षित मूल्य का 10 प्रतिशत मूल्य नगद समिति के पास जमा कर बोली में प्रतिभाग कर सकते है। अधिकतम बोली लगाने वाले क्रेता/ व्यक्ति के पक्ष में नीलामी सम्पादित कर दी जायेगी। समिति को कभी भी नीलामी स्थगित करने, आवंटन निरस्त करने आदि का अधिकार प्राप्त होगा। जिसके पक्ष में नीलामी सम्पादित होगी उसके अतिरिक्त शेष बाली दाता द्वारा जमा सुरक्षित कोष उसी दिन वापस कर दिया जायेगा। जिसके पक्ष में नीलामी सम्पादित होगी उनको तभी आवंटन पत्र दिया जायेगा जब उनके द्वारा अवशेष धनराशि जमा कर दी जायेगी।

(रामू प्रसाद)
खण्ड शिक्षा अधिकारी
बर्डपुर, सिद्धार्थनगर

कार्यालय नगर पंचायत बनकटी-बस्ती

निविदा / दर आमन्त्रण सूचना

पत्रांकः– 164 (1) न०प०बनकटी / 2026–27   दिनांकः–27.08.2026

समस्त इच्छुक व्यक्तियों / आपूर्तिकर्ता को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए नगर पंचायत बनकटी बस्ती में निम्न सामग्रियो की आपूर्ति हेतु दरे प्राप्त करने हेतु बन्द निविदा दिनांक 09.09.2026 को अपरान्ह 02.00 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। जो उसी दिनांक 09–09–2026 को अपरान्ह 04.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष अधोहस्ताक्षरी द्वारा खोला जायेगा । निविदा प्रपत्र दिनांक 08.09.202.6 को अपरान्ह 05.00 बजे तक निर्धारित शुल्क जमा कर कार्यालय नगर पंचायत बनकटी से प्राप्त किया जा सकता है। निविदादाता को रू0 10,000.०० का एफ०डी०आर० धरोहर धनराशि के रूप में जमा करना होगा। जो अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बनकटी बस्ती के पद नाम से बंधक होगा। बिना धरोहर धनराशि के निविदा पर विचार नही किया जायेगा। अधोहस्ताक्षरी को निविदा को निरस्त करने का अधिकार होगा। इस सम्बन्ध में ठेकेदार का कोई क्लेम मान्य नही होगा।

सामग्री का विवरणः–

क्रमांक	सामग्री / कार्य का विवरण	दर सभी करो सहित (प्रति अद्द /हजार मे
1	8X10 होल्डिंग (फ्रेम+ स्थापना सहित	
2	कलर पोस्टर 18X22	

(राहुल यादव)
अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बनकटी, बस्ती

(उर्मिला)
अध्यक्ष
नगर पंचायत बनकटी, बस्ती

व्यापारी, बेटी की सुरक्षा पर संकट खड़ा किया, तो जेल और जहन्नुम का रास्ता खुला है –सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में अब न बिजली का संकट है और न ही सुरक्षा की चिंता। व्यापारी और बेटी की सुरक्षा पर संकट खड़ा करने वालों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि जो व्यापारी और बेटी की सुरक्षा के लिए संकट खड़ा करेगा, उसके लिए जेल और जहन्नुम का रास्ता खुला है।

मुख्यमंत्री शनिवार को राप्तीनगर स्थित कल्याण मंडपम सहित करीब 130 करोड़ रुपये की लागत वाली 170 परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने कानून–व्यवस्था को प्राथमिकता दी है। शहर में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की जा रही है। सफाई से लेकर यातायात व्यवस्था तक को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम हो रहा है। योगी ने कहा कि गोरखपुर में स्वास्थ्य सुविधाओं का भी तेजी से विस्तार हुआ है। मेडिकल कॉलेज की नई श्रृंखला खड़ी हो चुकी है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज को अपग्रेड किया गया है और वहां सुपर स्पेशियलिटी की सुविधाएं उपलब्ध हैं। एम्स भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दे रहा है। इसके साथ ही प्रदेश के अन्य जिलों में भी मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास का लाभ हर नागरिक तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, सफाई, यातायात और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं को लगातार मजबूत किया जा रहा है। गोरखपुर में विकास की रफ्तार इसी का परिणाम है।

नेपाल में हादसाः झरने के सैलाब में बहा स्वर्ण व्यवसायी, मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नेपाल के बुटवल में शनिवार को झरने में नहाने के दौरान पहाड़ की चोटी से अचानक आए तेज पानी के सैलाब में बहने से इटवा निवासी स्वर्ण व्यवसायी प्रभात सोनी (34) की मौत हो गई। हादसे के बाद नेपाली प्रशासन ने काफी देर तक रेस्क्यू अभियान चलाया। करीब 18 किलोमीटर दूर झरने के सोर्स से निकले नाले में प्रभात का शव बरामद हुआ। सिर में गंभीर चोट के निशान मिले हैं। बुटवल पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। नगर पंचायत इटवा निवासी प्रभात सोनी पुत्र अवधेश सोनी का मऊ–जिगिनिहवा में ननिहाल है। परिजनों के मुताबिक रक्षाबंधन के दिन शुक्रवार को प्रभात अपनी मां मंजू देवी, छोटे भाई शिवा और बहन आंचल के साथ कार से ननिहाल गए थे। वहां राखी की रस्म पूरी होने के बाद वह मां, भाई और बहन के साथ मामा व उनके घर के दो अन्य सदस्यों को लेकर नेपाल घूमने निकल गए। परिवार ने नेपाल में रात में आराम किया। शनिवार सुबह सभी लोग बुटवल स्थित सिद्धेश्वर बाबा मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 5298 / 2025
T 202517140205298
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी भानपुर महोदय बस्ती जिला बस्ती
राम विलास
बनाम
फूलमती आदि
बावत ग्राम बहेरिया तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती

1. फूलमती पत्नी श्रीराम 2. शिवनाथ पुत्र श्रीराम 3. योगेन्द्र पुत्र श्रीराम निवासीगण बहेरिया तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 17–09–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 17 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–1407 / 2022
हनुमान प्रसाद उर्फ हनुमान
बनाम
श्रीमती राजपति

1. श्रीमती राजपति पत्नी अम्बिका प्रसाद निवासिनी ग्राम सुकरौली पाण्डेय तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 26–10–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 26 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
निगरानी सं0–
धारा 210 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) महोदय बस्ती जिला बस्ती
अमित कुमार आदि
बनाम
आशा देवी आदि
बावत ग्राम मनहनडीह तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

1. आशा सिंह पत्नी नरायन सिंह निवासी पिपराजप्ती तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती 2. रियाज अहमद पुत्र मो0 अब्बासी निवासी शिवा कालोनी बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 3. अब्दुल वहीद पुत्र वहीदुल्लाह निवासी माली टोला तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 4. रणजीत पुत्र राजाराम निवासी छिछुलिया तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 5. राकेश कुमार पाण्डेय पुत्र बलराम निवासी अस्पताल चौराहा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 6. सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी बस्ती

तारीख पेशी 16–09–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सिविल निगरानी सं0–99 / 2025
रहमान
बनाम
श्रीमती जन्नतुन

1. श्रीमती जन्नतुन आयु लगभग 55 साल पुत्री जोखू पत्नी अब्दुल अजीज साकिन बढ़या लाल सिंह तप्पा सगरा परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती हाल मुकाम ग्राम अमारेडीह तप्पा सगरा परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 22–09–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 22 महीना 09 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्र र हा है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 269 / 2026

1–उर्मिला उम्र लगभग 55 वर्ष पत्नी विजय कुमार 2. अमृता पासवान उम्र लगभग 21 वर्ष पुत्री विजय कुमार 3. राजीव पासवान उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्र विजय कुमार 4. अश्विन पासवान उम्र लगभग 17 वर्ष पुत्र विजय कुमार नावालिग जरिये संरक्षिका वाद मित्र उर्मिला माता निवासीगण काशीराम आवास कालोनी नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर तप्पा थरौली पोस्ट सिद्धार्थनगर परगना व तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

...आवेदकगण
बनाम
इस्टेट

तारीख पेशी– 21.09.2026

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने पति / पत्नी मृतक विजय कुमार पासवान को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 09 के 21 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा। 2026 के 08 के 27 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान विशेष न्यायाधीश / भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण सिविल अपील सं0 97 / 2023
सुबाषचन्द्र आदि
बनाम
मुन्नीलाल आदि

1. रंगीलाल उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र सुरेश –रेस्पान्डेन्ट प्रथम वर्ग
2. रमेश चन्द्र उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र रमाकान्त 3. प्रभावती देवी उम्र लगभग 66 वर्ष पत्नी रमाकान्त 4. सुग्रीव प्रसाद उम्र लगभग 42 वर्ष 5. सुरेन्द्र प्रसाद उम्र लगभग 37 वर्ष पुत्रगण रामफेर 1 / 1 तिलकराम उम्र लगभग 40 वर्ष 1 / 2 सन्तराम उम्र लगभग 37 वर्ष 1 / 3 सालिकराम उम्र लगभग 35 वर्ष 1 / 4 अनिल कुमार उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्रगण मुन्नीलाल 8 / 1 सुग्रीम उम्र लगभग 44 वर्ष 8 / 2 सुरेन्द्र उम्र लगभग 40 वर्ष निवासीगण ग्राम अवस्थीपुर तप्पा गनेशपुर परगना बस्ती पूरब तहसील बस्ती सदर जिला बस्ती

तारीख पेशी 01–09–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 01 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। –द0 हाकिम

नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मैं, अमित कुमार पाण्डेय, पुत्र जगदीश प्रसाद पाण्डेय, निवासी ग्राम–बकैनिया द्वीप, पोस्ट–मरवटिया बाबू, जिला– बस्ती (उ.प्र.) का निवासी हूं। मेरे पुत्र के आधार कार्ड संख्या 3725–0921–8827 में नाम आयान पाण्डेय अंकित है, जो गलत है। जबकि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में नाम अरिहन्त पाण्डेय (ARIHANT PANDEY) अंकित है, जो सही है। उसे आयान पाण्डेय से सुधारकर अरिहन्त पाण्डेय (ARIHANT PANDEY) कराया जाय।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 270 / 2026

1–श्रीमती कमलावती उम्र करीब 55 वर्ष पत्नी शिवगोविन्द 2. श्रीमती कुशलावती उम्र करीब 52 वर्ष पत्नी सियाराम निवासीगण ग्राम घघरा तप्पा बुढ़ही परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर

...आवेदकगण
बनाम
इस्टेट

तारीख पेशी– 21.09.2026

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने सास / बहू मृतक श्रीमती इन्द्रावती देवी को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 09 के 21 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा। 2026 के 08 के 27 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान पंचम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–327 / 2016
रामशब्द
बनाम
श्रीमती अर्चना सिंह

3 / 1 परमानन्द उम्र 55 साल पुत्र स्व0 राममिलन निवासी ग्राम भटहा जंगल तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 28–10–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 102 / 2026
न्यायालय– श्रीमान अपर सिविल जज (जू0डि0) कक्ष सं0– 1 स्थान–नौगढ़ जिला– सिद्धार्थनगर
अब्बू बकर आदि
बनाम
गयासुद्दीन आदि

1. गयासुद्दीन पुत्र हफीजुल्लाह साकिन वर्डपुर नं0–1 टोला पोखरभिटवा पोस्ट पचगवां तप्पा घोष परगना व तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 17–09–2026

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 17–09–2026 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को आप इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–592 / 2025
आनन्द किशोर आदि
बनाम
करिया आदि

1– करिया पुत्र मेड़ई साकिन गिदही खुर्द पोस्ट पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

तारीख पेशी 07–10–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 07 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद की खारिजी को अपास्त किये जाने के आदेश को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन की सूचना
(आदेश 9, नियम 9, (2) व्य0 प्र0 संहिता 1908)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर जिला–सिद्धार्थनगर
प्रकीर्णवाद सं0 100 / 2024
मुन्नी देवी आदि
बनाम
मोती आदि

2. सतीश उम्र करीब 40 वर्ष पुत्र मोती 4. सनीष उम्र करीब 21 वर्ष पुत्र सतीश 6. गुड्डू उम्र करीब 31 वर्ष पुत्र स्व0 जगदीश 8. रूकमणि उम्र करीब 49 वर्ष पत्नी स्व0 जगदीश 10. बबीता उम्र करीब 22 वर्ष पुत्री स्व0 जगदीश 12. लक्ष्मी उम्र करीब 19 वर्ष पुत्री स्व0 जगदीश साकिन गनेशपुर पोस्ट परसा तप्पा खजहनी परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 11–09–2026

चूंकि पूर्वोक्त वादी (गण) आवेदक (गण) ने इस न्यायालय में एक आवेदन उपरिनामांकित वाद की खारजी अपास्त करने के आदेश की अभिप्राप्ति के लिये इस न्यायालय के निर्देशानुसार सन 2026 मास के 09 दिवस 11 को दिवस को पेश किया है। अत एव आपको सूचना दी जाती है कि इस न्यायालय में 2026 के 09 के 11 दिवस को स्वयं या इस न्यायालय के अधिवक्ता या सम्यकरूपेण अधिकृत मुख्तार द्वारा जो इस बात के तथ्यों की जानकारी रखता हो उप संजात होकर हेतु (यदि कोई हो) सन्दर्शित करें कि उपरिनामांकित का आवेदन क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 20 के के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–398 / 2025
रमन कुमार
बनाम
निजामुद्दीन आदि

1– निजामुद्दीन पुत्र ऐफुउल्लाह निवासी मौजा परसा जाफर तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती पिन कोड–272002
2– राजेन्द्र प्रसाद पुत्र ललई निवासी मौता सेहुड़ाकला तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौलि जिला बस्ती पिनकोड–272148
3. संतोष कुमार सिंह पुत्र रमन जी सिंह निवासी ग्राम व पोस्ट भरवलिया बाबू तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 21–09–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
कं0 वाद सं0–D 202517630001827
धारा 30 (1) उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान अपर जिलाधिकारी महोदय सिद्धार्थनगर
क्लाम
बनाम
सरकार
बावत ग्राम सिरिसिया तप्पा सेहरी परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर

1. श्रीमती मैनाज पत्नी मुजफ्फर 2. सफीउल्लाह पुत्र मेंहदी 3. इब्बन अली पुत्र हुसेन अली समस्त निवासीगण ग्राम सिरिसिया तप्पा सेहरी परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 02–09–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 02 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) न्यायालय हर्रैया बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–15 / 2025
कर्ताराम
बनाम
भिखारी

1–भिखारी पुत्र चमरू ग्राम मदनापुर तप्पा सिकन्दरपुर तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 14–09–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 14 माह 09 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम नीरज कुमार गुप्ता (NEERAJ KUMAR GUPTA) पुत्र शिव शंकर गुप्ता (SHIV SHANKAR GUPTA) पाण्डेय बाजार, पोस्ट– पुरानी बस्ती, जनपद बस्ती (उ.प्र.) पिन कोड 272002 का निवासी हूं।

पासपोर्ट में मेरा नाम नीरज गुप्ता अंकित हो गया है, जो कि गलत है। उसे सुधारकर नीरज कुमार गुप्ता (NEERAJ KUMAR GUPTA) पुत्र (SHIV SHANKAR GUPTA) कराया जाय।

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मैं प्रेम सागर शुक्ल, पुत्र स्वर्गीय शिव कुमार शुक्ल, निवासी ग्राम–दुबौला, पोस्ट–बरहपुर, थाना–कप्तानगंज, विकास खण्ड–गौर, तहसील–हर्रैया, जिला–बस्ती (उ0प्र0) का निवासी हूं। मेरा पुत्र दिलीप कुमार शुक्ल मुझे एवं मेरे परिवार को लगातार परेशान कर रहा है तथा हमारा जीवन दुश्वार बना दिया है, जिससे मेरा जीवन संकट में आ गया है। उसका व्यवहार परिवार के प्रति ठीक नहीं है। आये दिन विवाद करता रहता है। इसे देखते हुये दिनांक 13.08. 2026 से मैं अपने पुत्र दिलीप कुमार शुक्ल से समस्त सम्बन्ध तोड़ता हूँ तथा उसे अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल घोषित करता हूँ। अब मेरा और परिवार दिलीप कुमार शुक्ल से कोई सम्बन्ध नहीं है। अपने किसी भी कृत्य, वाद, विवाद, लेन–देन आदि के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आये।

बेदखली सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र सिद्धार्थ द्विवेदी व पुत्रवधू रेनू पाण्डेय (पत्नी सिद्धार्थ द्विवेदी) द्वारा मेरे व मेरी पत्नी व अन्य पारिवारिक सदस्यों के प्रति की जा रही उपेक्षा, शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना, उत्पीड़न, मनमुटाव आदि से हम लोगों का जीना दूभर हो गया है। उक्त के क्रियाकलाप से हमारी प्रतिष्ठा धूमिल होती जा रही है, जिससे आजिज एवं मजबूर होकर मैंने काफी सोच–विचार कर स्वस्थ चित्त से अपने उक्त पुत्र सिद्धार्थ द्विवेदी व पुत्रवधू रेनू पाण्डेय को अपनी समस्त चल, अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है और सदैव के लिए इनसे अपना पारिवारिक रिश्ता समाप्त कर लिया है। उक्त लोगों से अब मेरा व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों से कोई वास्ता–सरोकार नहीं रह गया है। इस प्रकार सिद्धार्थ द्विवेदी व रेनू पाण्डेय द्वारा किसी भी प्रकार के लेन–देन, कर्ज, मुकदमा आदि किसी भी संव्यवहार की सम्पूर्ण जिम्मेदारी इन्हीं की होगी।

(ओम प्रकाश द्विवेदी)
पुत्र– तारा प्रसाद द्विवेदी
मोहल्ला अमहट उर्फ बैरिहवां, निकट सावित्री विद्या विहार स्कूल, रामजी पुरम, पोस्ट– गांधीनगर, थाना–कोतवाली, जनपद–बस्ती, (उ0प्र0)
मो0नं0–9984483025

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com